

प्रेषक,

मनीषा पंवार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,

उत्तराखण्ड।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक: ८<sup>१</sup> अप्रैल, 2011

विषय:- वित्तीय वर्ष 2011-12 में माध्यमिक शिक्षा विभाग की जिला योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग-1 उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 209/XXVII (1)/2011, दिनांक: 31 मार्च, 2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत जिला योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदान संख्या: 11 के अधीन आयोजनागत पक्ष में रु० 1797.65 लाख (रुपये सत्रह करोड़ सतानबे लाख पैंसठ हजार मात्र) की धनराशि को आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. जिला योजनान्तर्गत उन योजनाओं के लिए वित्तीय स्वीकृतियां पूर्णतः प्रतिबंधित हैं जिनमें तत्काल अथवा भविष्य में पद सृजन निहित है, साथ ही जिला योजनान्तर्गत ऐसी योजनाओं/कार्यों हेतु वित्तीय स्वीकृतियां जारी नहीं की जायेगी जिसमें वेतन आदि अथवा अन्य आवर्तक व्यय सम्मिलित हो।
2. निर्माण कार्यों को निर्धारित समय व स्वीकृत लागत में पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाय, जिस हेतु निर्माण की समय सारिणी इस प्रकार तैयार की जाय कि निर्माण हेतु उपयुक्त माहों/सीजन का पूर्ण लाभ लिया जा सके। साथ ही वित्त विभाग के आदेश संख्या: 475/XXVII (1)/2008, दिनांक: 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर निर्माण एजेन्सी से एम0ओ0यू0 अवश्य किया जाय।
3. प्रयोगशाला/अतिरिक्त कक्षा-कक्ष कॉमनरूम एवं पेयजल तथा शौचालय हेतु धनराशि जनपद-स्तर पर निर्धारित आंगणन के आधार पर किया जायेगा। चालू वित्तीय वर्ष में स्वीकृत किये जा रहे कार्यों को वर्तमान वित्तीय वर्ष में पूर्ण कर लिया जायेगा तथा उनकी कोई देयता आगामी वित्तीय वर्ष के लिए शेष नहीं रखी जायेगी।
4. निर्माण कार्यों के लिए निर्माण एजेन्सी का निर्धारण जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा। निर्माण की गुणवत्ता के लिए सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी के अभियन्ता उत्तरदायी होंगे। गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने हेतु यथा आवश्यक थर्ड पार्टी जांच भी करायी जाये।
5. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाए। कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

6. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली भौति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।

7. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला में अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में ही लाया जाए।

8. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219 (2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आंगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय, 01-सामान्य शिक्षा, 202-माध्यमिक शिक्षा, 00-आयोजनागत, 91-जिला योजना के अन्तर्गत सम्बन्धित योजना में मानक मद 24-वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग-1 उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 209/XXVII (1)/2011, दिनांक: 31 मार्च, 2011 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुक्रम में निर्गत किये जा रहे हैं। संलग्नक-यथोक्त।

भवदीया,

(मनीषा पंवार)  
सचिव।

पृष्ठांकनसंख्या: 05(1)/R/XXIV-3/11/02(22)11 तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निजी सचिव, सचिव विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल/गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 7- निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 8- अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल नैनीताल/गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 9- समस्त जिला शिक्षाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 11- वित्त विभाग अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय सचिवालय।
- 13- कम्प्यूटर सेल, वित्त विभाग।
- ✓ 14- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- रक्षित पत्रावली।
- 16- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी0पी0तिवारी)

अनुसचिव।

शासनादेश संख्या: 05/P/XXIV-3/11/02 (22) 2011 दिनांक: 2<sup>9</sup> अप्रैल, 2011 का संलग्नक

(धनराशि लाख रुपये में)

लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय, 01-सामान्य शिक्षा, 202-माध्यमिक शिक्षा, 00-आयोजनागत, 91-जिला योजना					
जनपद	9101-राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान अध्ययन के लिए सुविधा तथा नवीन प्रयोशालाओं का निर्माण।	9102-राजकीय उ० मा० विद्यालयों/इण्टर कालेजों-बालक/बालिका के अधूरे भवनों के निर्माण हेतु एकमुश्त व्यवस्था।	9103-राजकीय मा० विद्यालयों का भवन निर्माण विस्तार, विद्युतीकरण एवं भूमि/भवन क्रय तथा क्षतिपूर्ति (जिला योजना)	9104-जिला स्तर पर शिक्षा कार्यालय तथा आवासीय भवनों का निर्माण (जिला योजना)	कुल योग
नैनीताल	0.00	0.00	100.00	8.00	108.00
उधमसिंहनगर	20.52	0.00	13.06	0.00	33.58
अल्मोड़ा	154.10	5.50	199.99	4.50	364.09
पिथौरागढ़	55.00	0.00	111.00	0.00	166.00
बागेश्वर	0.00	0.00	119.36	2.00	121.36
चम्पावत	0.00	2.00	220.00	0.00	222.00
देहरादून	0.00	3.00	55.84	8.00	66.84
पौड़ी	32.13	20.00	9.15	0.00	61.28
टिहरी	120.00	0.00	220.00	2.50	342.50
चमोली	0.00	1.00	106.80	75.00	182.80
उत्तरकाशी	44.00	0.00	5.00	0.00	49.00
रूद्रप्रयाग	34.00	0.00	12.80	0.00	46.80
हरिद्वार	5.40	1.00	27.00	0.00	33.40
योग-	465.15	32.50	1200.00	100.00	1797.65

(कुल रुपये सत्रह करोड़ सतानबे लाख पैंसठ हजार मात्र)

(जी०पी०तिवारी)

अनुसचिव।

आज्ञा